गांधी सागर बांध

३८५. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री गोकरन प्रसाद :

क्या **सिंचाई और विद्युत्** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गांधी सागर बांध से राजस्थान को कितनी बिजली दी जाती है और उसमें से कितनी काम में ली जाती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि बिजली की कमी के कारण बहुत से कारखाने चालू नहीं किये जा सके; और

(ग) यदि हां, तो कब तक ज्यादा बिजली दिये जाने की सम्भावना है और उसकी मात्रा क्या होगी ?

सिंचाई और विद्युत् मन्त्री (डा० कु० स० राव) : (क) गांधी सागर बिजली स्टेशन से राजस्थान को लगभग ४३ से ४४ मैगावाट बिजली दी जा रही है तथा समस्त बिजली का इस्तैमाल हो रहा है ;

(ख) राज्य बिजली बोर्ड का यह कहना है कि वह अपने किये हुए वादों को पूरा कर सकने में समर्थ हो जाएगा ।

(ग) १९६७ से १०० से १८० मैगावाट तक अतिरिक्त बिजली मिलने की सम्भावना है ।

बीमा कम्पनियां

३८६. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री गोकरन प्रसाद :

क्या **वित्त** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वक्त कितनी बीमा कम्पनियां भारत में काम कर रही हैं और उनमें कितनी कम्पनियां साधारण बीमे के लिये पंजीबद्ध हैं और उनमें कितनी कम्पनियां विदेशी हैं और कितनी भारतीय ; और

(ख) इन सब श्रेणियों की बीमा कम्पनियों की कुल कितनी आय है ?

वित्त मन्त्री श्री (ति० त० कृष्णमाचारी) : (क) बीमा अधिनियम, १९३८ के अधीन, १ मई, १९६४ को एक या एक से अधिक श्रेणियों के सामान्य बीमे का कारबार करने वाली पंजीकृत बीमा कम्पनियों की संख्या १३८ थी जिसमें से ७२ कम्पनियां भारतीय बीमाकर्ताओं की और ६६ विदेशी बीमाकर्ताओं की थीं । इसके अलावा, अब भारतीय जीवन बीमा निगम, जीवन बीमा और तीनों प्रकार के सामान्य बीमे के कारबार के लिए पंजीकृत है ।

(ख) ३१ दिसम्बर, १९६२ को समाप्त हुए वर्ष में भारतीय और विदेशी बीमाकताओं को कुल लगभग ५५.९८ करोड़ रुपये की आमदनी हुई थी । इसके अलावा ३१ मार्च १९६३ को समाप्त हुए १५ महीने में भारतीय जीवन बीमा निगम को कुल लगभग १८६.८४ करोड़ रुपये की आमदनी हुई ।

आयुर्वेदिक औषधालय

३८७. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री गोकरन प्रसाद :

क्या **स्वास्थ्य** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत सरकार ने दिल्ली व अन्य शहरों में आयुर्वेदिक चिकित्सालयों को प्रोत्साहन देने के लिये अनेक उपाय किये हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इस वक्त कितने आयुर्वेदिक चिकित्सालय सरकार द्वारा चलाये जा रहे हैं और उन पर इस योजना में कितना रुपया खर्च करने के लिये रखा गया है ?

स्वास्थ्य मन्त्री (डा० सुशीला नायर) : (क) और (ख) आयुर्वेद की डिसपेंसरियों की स्थापना और व्यवस्था करना प्रथमतया राज्य सरकारों का काम है । स्वदेशी चिकित्सा